उपकार

जवाहर नवोदय विद्यालय

प्रवेश परीक्षा

प्रैक्टिस वर्क बुक

लेखकगण

डॉ. शर्मा, गोयल

एवं

जे. पी. दीक्षित

उपकार प्रकाशन, आगरा

उपकार प्रकाशन

"Your Feedback, Our Guidance"

SCAN ME!

Scan and Share Your Experience With Us

© प्रकाशक

प्रकाशक

उपकार प्रकाशन

हैड ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, निकट खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास रोड, **आगरा**–282 005

रजि. ऑफिस : 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर (शाह सिनेमा के सामने), **आगरा**–282 002

फोन : 2530966, 2531101

E-mail : care@upkar.in, **Website :** www.upkar.in

ब्रांच ऑफिस :

8-310/1, ए. के. हाउस,

हीरानगर, **हल्द्वानी,**

जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)

मोबा. : 7060421008

- *इस पुस्तक का सम्पूर्ण कॉपीराइट प्रकाशक के पास है. प्रकाशक से बिना लिखित अनुमति लिए, इस पुस्तक के किसी भी भाग को दोबारा बनाया नहीं जा सकता, किसी भी प्रकार से सुरक्षित नहीं किया जा सकता या किसी भी तरह से, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या किसी और माध्यम से नहीं भेजा जा सकता. ऐसा करने वाले किसी भी व्यक्ति पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी और वह नुकसान के लिए पूर्ण उत्तरदायी होगा.*
- *इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी त्रुटि के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा.*
- *किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल आगरा ही होगा.*

ISBN : 978-93-6319-052-8

Code No. 49

मुद्रक : उपकार प्रकाशन (उपकार स्टेशनरी प्रा लि) बाईपास रोड, आगरा

दो शब्द

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी) नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) द्वारा देशभर के जवाहर नवोदय विद्यालयों में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है. इसी के परिप्रेक्ष्य में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय स्तर पर एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन किया जाता है जिसके परिणाम के आधार पर देश के नवोदय विद्यालयों की कक्षा-VI में प्रवेश दिया जाता है. इन विद्यालयों के घोषित उद्देश्यों में 'प्रतिभाशाली छात्रों के पूर्ण विकास के लिए श्रेष्ठ शिक्षा को सुलभ कराना' भी है. अतः इस परीक्षा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या अत्यधिक होने के साथ-साथ उनका बौद्धिक स्तर भी ऊँचा ही होता है. इतनी बड़ी संख्या के प्रतिभागियों में से चयन करने की सुविधा की दृष्टि से परीक्षा का स्तर स्वाभाविक रूप से कुछ कठिन रखा जाता है. यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि वस्तुनिष्ठ प्रकार की इस परीक्षा में ***तीव्र गति एवं शुद्धता*** *(Speed and accuracy) की ही निर्णायक भूमिका होती है.*

परीक्षार्थियों की उपर्युक्त आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उपकार प्रकाशन ने अपनी 'नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा' के अतिरिक्त अब इस परीक्षा के लिए ***'प्रैक्टिस वर्क बुक'*** *प्रकाशित कराई है. यह विशेष रूप से बहुउपयोगी है तथा अपनी तकनीकी पद्धति के आधार पर तैयार कराई गई है. इस वर्क बुक के लिए परीक्षा प्रश्न-पत्रों के नए पैटर्न तथा नवीनतम पाठ्यक्रम को आधार बनाया गया है. प्रश्नों के हल के सम्बन्ध में उपयोगी संकेत तथा व्याख्याएँ भी दी गई हैं. अपने स्वयं के अभ्यास के द्वारा तीव्र गति (Speed) तथा शुद्धता (Accuracy) द्वारा लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रचुर मात्रा में मॉडल टेस्ट दिए गए हैं. आप यह स्मरण रखें कि अधिक-से-अधिक प्रैक्टिस से ही सफलता की ओर अग्रसर हुआ जा सकता है. आपके इसी उद्देश्य के लिए प्रस्तुत वर्क बुक तैयार कराई गई है.*

प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए पुस्तक प्रकाशन के दीर्घकालीन अनुभव के आधार पर प्रस्तुत प्रैक्टिस वर्क बुक को परीक्षा के नवीनतम पैटर्न के अनुरूप बनाया गया है जिसमें प्रत्याशियों की प्रत्येक प्रकार की कठिनाई को ध्यान में रखा गया है. इसकी उपयोगिता से हम आपको पूर्णतः आश्वस्त करना चाहते हैं कि यह आपके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में निःसन्देह सहायक होगी.

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आपकी स्वर्णिम सफलता की शुभकामनाओं सहित.

— ***लेखकगण***

विषय-सूची

- मॉडल 1 3–10
- मॉडल 2 11–18
- मॉडल 3 19–27
- मॉडल 4 28–36
- मॉडल 5 37–44
- मॉडल 6 45–52
- मॉडल 7 53–61
- मॉडल 8 62–69
- मॉडल 9 70–77
- मॉडल 10 78–86
- मॉडल 11 87–95
- मॉडल 12 96–103
- मॉडल 13 104–111
- मॉडल 14 112–120
- मॉडल 15 121–129
- मॉडल 16 130–138
- मॉडल 17 139–146
- मॉडल 18 147–155
- मॉडल 19 156–164
- मॉडल 20 165–172
- मॉडल 21 173–179
- मॉडल 22 180–186
- मॉडल 23 187–194
- मॉडल 24 195–201
- मॉडल 25 202–208

नवोदय विद्यालय योजना

परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अनुसार भारत सरकार ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रारम्भ किए थे. वर्तमान में 27 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में फैले हुए हैं. ये सह-शिक्षा वाले आवासीय विद्यालय हैं. जिन्हें एक स्वायत्त संगठन नवोदय विद्यालय समिति के जरिए भारत सरकार द्वारा सम्पूर्ण वित्तीय सहायता प्राप्त है. नवोदय विद्यालयों में चयन परीक्षा के माध्यम से कक्षा 6 तक प्रवेश दिया जाता है. इन विद्यालयों में कक्षा 8 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा है और इसके बाद कक्षा 9 से गणित और विज्ञान के लिए अंग्रेजी माध्यम तथा सामाजिक विज्ञान के लिए हिन्दी माध्यम है. जेएनवी के छात्र केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होते हैं. नवोदय विद्यालयों में छात्रों को निःशुल्क आवास, शिक्षा, भोजन, यूनीफार्म एवं पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जाती हैं, परन्तु कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों से मात्र ₹ 600 प्रतिमाह विद्यालय विकास निधि के लिए लिया जाता है. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग छात्र, बालिकाओं एवं उन छात्रों, जिनके अभिभावक गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करते हैं, को इस शुल्क से छूट प्रदान की गई है. छूट प्राप्त वर्ग (कक्षा–6 से 8 के विद्यार्थी, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति और बालिकाएं तथा गरीबी रेखा के नीचे (BPL) परिवारों के बच्चों) के अतिरिक्त सरकारी कर्मचारियों के बच्चों से ₹ 1500/- प्रतिमाह की दर से विकास निधि के लिए अथवा माता-पिता द्वारा प्राप्त वास्तविक बाल्य शैक्षणिक भत्ता, जो भी कम हो, देय होगा, परन्तु विद्यालय विकास निधि ₹ 600/- प्रतिमाह प्रति छात्र से कम नहीं होगी.

योजना के उद्देश्य

(i) विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों को, श्रेष्ठ गुणवत्तायुक्त आधुनिक शिक्षा के साथ सशक्त सांस्कृतिक घटक एवं मूल्यपरक शिक्षा, पर्यावरण के प्रति चेतना, साहसिक क्रियाओं एवं शारीरिक शिक्षा प्रदान करना है.

(ii) यह सुनिश्चित करना कि छात्र तीनों भाषाओं में उचित स्तर की दक्षता प्राप्त कर सकें.

(iii) विद्यार्थियों की प्रवास नीति (हिन्दी से अहिन्दी भाषी तथा अहिन्दी से हिन्दी भाषी राज्यों में) के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना.

(iv) अनुभवों और सुविधाओं की सहभागिता के द्वारा विद्यालयीय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु प्रत्येक जनपद में केन्द्र बिन्दु के रूप में सामान्य सेवाएँ प्रदान करना.

आवेदन की विधि

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया–

(क) जेएनवी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को सरलीकृत कर दिया गया है. नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट www.navodaya.gov.in के प्रवेश पोर्टल पर जाकर निःशुल्क पंजीयन किया जा सकता है.

(ख) अभ्यर्थी और अभिभावक अधिसूचना-सह-विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें और पात्रता शर्तों की पूर्ति सुनिश्चित करें.

(ग) पंजीकरण के लिए निम्न दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी तैयार रखें (JPG प्रारूप, आकार 10 से 100KB)

- फोटो, अभिभावक के हस्ताक्षर, अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
- आधार विवरण/सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी निवास प्रमाण-पत्र.
- आवेदन पोर्टल में राज्य, जिला, विकासखंड, आधार संख्या, APAAR ID, PEN संख्या आदि मूल विवरण भरने होंगे.
- पात्र अभ्यर्थी ऑनलाइन फॉर्म भरकर अपना फोटो तथा अभ्यर्थी और अभिभावक–दोनों के हस्ताक्षर अपलोड करें. प्रमाण-पत्र केवल 10-100 KB के JPG प्रारूप में अपलोड किया जाए.
- NIOS के अभ्यर्थियों के पास 'B' प्रमाण-पत्र होना चाहिए और वे उसी जिले के वास्तविक निवासी हों जहाँ प्रवेश चाहते हैं.
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म खुला और निःशुल्क है. आवेदन डेस्कटॉप, लैपऑप, मोबाइल, टैबलेट आदि किसी भी माध्यम से भरा जा सकता है.
- सभी JNVs में आवेदन निःशुल्क अपलोड कराने हेतु सहायता-कक्ष उपलब्ध रहेगा. अभिभावक अभ्यर्थी के साथ फोटो, अभ्यर्थी एवं अभिभावक के हस्ताक्षर तथा सक्रिय मोबाइल नम्बर वाला फोन लेकर सहायता-कक्ष जा सकते हैं, ताकि OTP, पंजीकरण संख्या और पासवर्ड SMS से प्राप्त हो सके.
- अभ्यर्थी का चयन जिला-विशिष्ट है और यह केवल उसी जिले के लिए आवेदन कर सकता/सकती है जहाँ कक्षा V पढ़ाई के समय वह निवास करता/करती है. कपटपूर्ण सूचना देना अथवा निवास और अध्ययन सम्बन्धी विवरण सही ढंग से न बताना किसी भी चरण पर बिना पूर्व सूचना अभ्यर्थिता तुरन्त रद्द करने का आधार होगा.
- सभी आवेदक आँकड़े इलेक्ट्रॉनिक रूप से दर्ज और संसाधिक होते हैं. अतः जमा किया गया डेटा अन्तिम और बाध्यकारी माना जाएगा. अन्तिम सबमिशन से पहले ऑनलाइन आवेदन में दर्ज प्रत्येक सूचना की पूर्ण शुद्धता, सम्पूर्णता और सत्यता सुनिश्चित करने की कानूनी जिम्मेदारी आवेदक की होगी. सावधानी के रूप में सीमित सुधार-विंडो भी उपलब्ध कराई जाती है.
- इलेक्ट्रॉनिक आवेदन के अन्तिम सबमिशन के बाद दर्ज डेटा लॉक और बाध्यकारी आधिकारिक अभिलेख बन जाएगा. बाद में जनसांख्यिकीय अथवा शैक्षणिक विवरण बदलने हेतु कोई प्रशासनिक प्रावधान नहीं है, ऐसे आवेदन, कानूनी नोटिस अथवा अनुरोध संक्षेप में अस्वीकार किए जाएंगे.

प्रवेश-पत्र जारी करना

आवेदन पोर्टल पर निर्धारित तिथि से प्रवेश-पत्र उपलब्ध होंगे, जिसे अभ्यर्थी / माता-पिता द्वारा निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकेगा.

पात्रता

नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए पात्रता के मानदण्ड निम्नलिखित हैं–

सभी अभ्यर्थियों के लिए

- जेएनवी में कक्षा-VI में उम्मीदवार का प्रवेश जिला विशिष्ट है. अभ्यर्थी उसी जनपद के जेएनवी के लिए आवेदन कर सकता है, जिस जिले के सरकारी / सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में वर्तमान शैक्षिक सत्र के दौरान कक्षा-5 में पढ़ रहा हो.
- प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी का जन्म निर्धारित तिथि से पहले या बाद का नहीं होना चाहिए. यह अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समेत सभी अभ्यर्थियों पर समान रूप से लागू होगी. अभ्यर्थी के प्रमाण-पत्र में दर्ज आयु एवं अधिक उम्र के सन्देह होने पर उसको प्रवेश दिए जाने के समय मेडिकल बोर्ड से आयु की प्रमाणिकता हेतु जाँच कराई जाएगी और मेडिकल बोर्ड का निर्णय अन्तिम होगा.
- निर्धारित चयन परीक्षा के बैठने वाले अभ्यर्थी को उसी जिले, जहाँ वह प्रवेश लेना चाहता / चाहती है, के किसी सरकारी / सरकारी सहायता प्राप्त / अन्य मान्यता प्राप्त अथवा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान से योग्यता 'प्रमाण-पत्र–बी' सहित पूर्ण शैक्षिक सत्र के दौरान कक्षा 5 में अध्ययनरत् होना चाहिए. सरकार अथवा सरकार की ओर से अधिकृत किसी एजेन्सी के द्वारा मान्यता प्राप्त घोषित विद्यालय को ही मान्यता प्राप्त माना जाएगा. वे विद्यालय, जिनके छात्र एन.आई. ओ.एस. (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान) से योग्यता प्रमाण-पत्र 'बी' प्राप्त किए हों, उन्हें एन.आई. ओ.एस. (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए. छात्र का वर्तमान सत्र में सफलतापूर्वक कक्षा 5 पूर्ण किया होना चाहिए. इसी स्थिति में वह कक्षा 6 में अगले सत्र में वास्तविक प्रवेश उल्लिखित शर्तों के अधीन होगा.
- कक्षा-VI में प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी को ग्रामीण क्षेत्र में स्थित किसी सरकारी / सरकारी सहायता प्राप्त / मान्यता प्राप्त विद्यालय से, हर साल एक पूरा शैक्षणिक सत्र बिताते हुए कक्षा-III, IV और V का अध्ययन और उत्तीर्ण किया होना चाहिए.
- अभ्यर्थी, जिन्होंने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान से 'बी' प्रमाण-पत्र दक्षता सहित निर्धारित तिथि या उससे पूर्व उत्तीर्ण की है, वे भी इस परीक्षा में बैठने के पात्र हैं, अगर वे निर्धारित आयु सीमा में हों. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान' के प्राधिकृत केन्द्रों / संस्थाओं के छात्रों की ग्रामीण स्थिति का निर्धारण उस जिले के तहसीलदार अथवा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के आधार पर किया जाएगा जिसमें यह लिखा गया हो कि छात्र पिछले तीन वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रहा है. नगरीय एवं अधिसूचित क्षेत्रों से पढ़ने वाले छात्र जो उपर्युक्त योजनाओं में अध्ययन कर रहे हों, वे ग्रामीण कोटे के अन्तर्गत प्रवेश के पात्र नहीं होंगे.
- उन जिलों के लिए जहाँ कि जवाहर नवोदय विद्यालय प्रारम्भ होने के बाद जिले का विभाजन हुआ है एवं यदि विभाजन से निर्मित जिले में नवीन जवाहर नवोदय विद्यालय नहीं खोला गया हो तो जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में प्रवेश हेतु जिले की पुरानी सीमा के अनुरूप अभ्यर्थियों की पात्रता रहेगी.
- ऐसे अभ्यर्थी, जो प्रोन्नत नहीं किए गए हैं और पाँचवीं कक्षा में निर्धारित तिथि से पहले प्रवेश नहीं लिए हैं, वे आवेदन के लिए पात्र नहीं होंगे.
- **अभ्यर्थी किसी भी परिस्थिति में चयन परीक्षा में दूसरी बार बैठने के लिए अर्ह नहीं है.**

ग्रामीण क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए

(क) प्रत्येक जिले में कम-से-कम 75% सीटें उस जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित अभ्यर्थियों द्वारा शेष सीटें उस जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों से चुने गए अभ्यर्थियों द्वारा योग्यता के आधार पर भरी जाएंगी.

(ख) ग्रामीण क्षेत्रों के कोटे के अन्तर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित किसी सरकारी / सरकारी सहायता प्राप्त / सरकार द्वारा स्थित किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से बिना किसी कक्षा को पुनरावर्तित किए, अन्तराल व अवरोध के पूरे सत्र तक कक्षाओं 3, 4 व 5 में पढ़ा हुआ होना चाहिए. **अभ्यर्थी ने कक्षा-5 में पूर्ण शैक्षणिक सत्र में उसी जिले में अध्ययन किया हो, जहाँ वह प्रवेश चाहता है.**

(ग) 'राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान' की योजना के तहत् पढ़ने वाले अभ्यर्थी को जिला अधिकारी / तहसीलदार / खण्ड विकास अधिकारी (बी.डी.ओ.) द्वारा निर्गत इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि अभ्यर्थी पिछले तीन वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहा है और अध्ययन कर रहा है.

शहरी क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए

ऐसा अभ्यर्थी जो शहरी क्षेत्र में स्थित किसी विद्यालय में कक्षा 3, 4 व 5 में किसी सत्र में एक दिन भी पढ़ लिया है, शहरी अभ्यर्थी समझा जाएगा. शहरी क्षेत्र वे हैं, जिन्हें जेएनवीएसटी पंजीकरण के लिए आवेदन जमा करने के अन्तिम तिथि पर किसी भी सरकारी अधिसूचना द्वारा परिभाषित किया गया हो. शेष सभी क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र कहलाए जाएंगे.

ट्रांसजेन्डर श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए

जेएनवीएसटी में ट्रांसजेन्डर श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए अलग से कोई आरक्षण प्रदान नहीं किया गया है और उन्हें आरक्षण हेतु बालकों की श्रेणी में विभिन्न उप श्रेणियों जैसे–शहरी, ग्रामीण, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग में सम्मिलित किया जाएगा.

नोट : विस्तृत जानकारी के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय के पोर्टल पर दी गई जानकारी को ध्यानपूर्वक पढ़ लें.

स्थानों का आरक्षण

(क) प्रत्येक जिले की कम-से-कम 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्र से चयनित अभ्यर्थियों द्वारा तथा शेष बची सीट जिले के शहरी और ग्रामीण अभ्यर्थियों से मेरिट के आधार पर भरी जाएंगी.

(ख) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चों के लिए सीटों का आरक्षण सम्बन्धित जिले की जनसंख्या के अनुपात में किया जाएगा, किन्तु किसी भी परिस्थिति में एवं

किसी भी जनपद में राष्ट्रीय औसत (15 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 7·5 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति) से कम तथा 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति और जनजाति को जोड़कर) से अधिक नहीं होना चाहिए. यह आरक्षण अन्तर परिवर्तनीय है, जब खुली वरीयता सूची के अन्तर्गत चयनित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त अधिक योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध न हों.

(ग) 27% आरक्षण अन्य पिछड़ी जातियों के विद्यार्थियों को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण के अलावा प्रदान किया जाएगा. अन्य पिछड़ी जातियों को आरक्षण का क्रियान्वयन समय-समय पर लागू केन्द्रीय सूची के आधार पर किया जाएगा. अन्य पिछड़ी जातियों के जो अभ्यर्थी केन्द्रीय सूची में शामिल नहीं हैं, उन्हें सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी के रूप में ही आवेदन करना चाहिए.

(घ) कुल स्थानों का एक-तिहाई स्थान बालिकाओं द्वारा भरे जाएंगे. यह चयन एनवीएस मानदण्डों के अनुसार, जहाँ भी आवश्यक हो, किया जाएगा.

(ङ) दिव्यांग बच्चों (अस्थि रोग दिव्यांग, श्रव्य दिव्यांग एवं दृष्टि दिव्यांग) के लिए भारत सरकार के नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान है.

परीक्षा के बारे में जानकारी

चयन परीक्षा सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक दो घण्टे की अवधि की होगी. सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के तीन खण्डों में उपलब्ध होंगे, जिनमें कुल 80 प्रश्न और पूर्णांक 100 हैं.

परीक्षा की संरचना

चयन परीक्षा तीन खण्डों में विभाजित है जिसमें तीन विभिन्न अनुद्देश्यों सहित तीन विभिन्न परीक्षण सम्मिलित हैं. परीक्षा की कुल अवधि दो घण्टे है. दिव्यांग अभ्यर्थी को 40 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा.

प्रश्न-पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	अंक	समयावधि (मिनट में)
I	मानसिक योग्यता परीक्षण एवं पर्यावरण अध्ययन (EVS)	20 + 20	25 + 25	60
II	अंकगणित परीक्षण	20	25	30
III	भाषा परीक्षण	20	25	30
योग		80	100	2 घण्टे

उत्तर अंकित करने की विधि

(क) अभ्यर्थी को परीक्षा पुस्तिका के साथ एक उत्तर-पत्रक (ओ. एम.आर.) दिया जाएगा. अभ्यर्थी को केवल उसी उत्तर पत्रक में उचित स्थान पर अपने उत्तर अंकित करने होंगे. एनवीएस की वेबसाइट पर उत्तर-पत्रक की नमूना प्रति अपलोड कर दी जाएगी.

(ख) उत्तर अंकित करने के लिए केवल नीले / काले बॉल पाइन्ट पेन का ही प्रयोग करें. अभ्यर्थी अपना बॉल पेन अपने साथ लायें. पेन्सिल का प्रयोग वर्जित है.

(ग) प्रत्येक प्रश्न के लिए चार वैकल्पिक उत्तर होंगे जिसमें केवल एक ही उत्तर सही है. अभ्यर्थी को सही उत्तर का चयन करना है और सही उत्तर को (A, B, C, D) अक्षरों की सहायता से उत्तर शीट पर अंकित गोले को काला करना होगा. उदाहरण के तौर पर प्रश्न सं. 37 के लिए यदि सही उत्तर C है तो उस गोले को उत्तर-पत्रक पर इस प्रकार भरें.

37. (A) (B) (●C) (D)

(घ) चिन्हांकन इतना स्पष्ट हो कि मशीन उत्तर को पढ़ सके. ओ.एम.आर. शीट पर उपरिलेखन (over writing), उत्तर को काटना या मिटाना वर्जित है. ऐसे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा.

(ङ) प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1·25 अंक प्रदान किए जाएंगे.

(च) ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होगा.

परीक्षण का स्वरूप

खण्ड-1 : मानसिक योग्यता परीक्षण (MAT) एवं पर्यावरणीय अध्ययन (EVS)

प्रश्न 1-20 : मानसिक योग्यता परीक्षण

यह पूर्णतः अशाब्दिक परीक्षण है. इसका अर्थ यह है कि इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्न केवल आकृतियों और रेखाचित्रों पर आधारित होंगे. इस परीक्षण का मुख्य प्रयोजन प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की अन्तर्निहित सामान्य मानसिक योग्यता को मापना है.

मानसिक योग्यता खण्ड के 5 भाग हैं. प्रत्येक भाग में 4-4 प्रश्न होंगे और बाकी के 20 प्रश्न पर्यावरणीय अध्ययन (EVS) से सम्बन्धित होंगे. ये प्रश्न अभ्यर्थियों की विभिन्न योग्यताओं की परख करेंगे.

इस खण्ड में 5 अनुभागों के अन्तर्गत 4-4 प्रश्न पूछे जाएंगे :

1. प्रतिरूप पूर्ण करना (वर्णमाला एवं संख्या प्रतिरूप सहित)
2. आकृति-शृंखला पूर्ण करना
3. ज्यामितीय आकृति पूर्ण करना (त्रिभुज, वर्ग, वृत्त)
4. दर्पण एवं जल प्रतिबिम्ब
5. अंतर्निहित आकृति

प्रश्न 21-40 : पर्यावरण अध्ययन (EVS)

इस भाग में 20 होंगे : 15 बहुविकल्पीय प्रश्न तथा एक अनुच्छेद पर आधारित 05 प्रश्न. EVS का पाठ्यक्रम निम्न है. EVS में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा की मूल अवधारणाओं का अंतर्विषयी समावेश है. इसका उद्देश्य अभ्यर्थी की अपने परिवेश के प्रति बुनियादी जागरूकता का आकलन करना है.

- **प्राकृतिक संसार :** परिवहन, नदियाँ, पर्वत, स्थल एवं जल के पौधे और जीव, प्राकृतिक आपदाएँ, घर/आश्रय के प्रकार, जल-चक्र आदि.
- **मानव शरीर :** भोजन और पोषक तत्व, स्वच्छता, विशेष इंद्रिय-क्षमताएँ, पाचन, परिसंचरण और श्वसन जैसी आन्तरिक प्रणालियों का आधारभूत ज्ञान.
- **दैनिक जीवन में विज्ञान :** खाद्य संरक्षण, जल एवं वायु प्रदूषण, जल और मृदा संरक्षण आदि.
- **सामाजिक परिवेश :** भारत के महत्वपूर्ण तथ्य, राज्य/राजधानियाँ, राष्ट्रीय प्रतीक, विविध भू-दृश्य, त्योहार, ऋतुएँ, वन, फसलें, वस्त्र एवं रेशे आदि.

खण्ड-2 : अंकगणित परीक्षण

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों की अंकगणित में मौलिक दक्षता को मापना है. इस परीक्षा के सभी 20 प्रश्न अग्रलिखित बिन्दुओं पर आधारित होंगे–

1. संख्या एवं संख्या पद्धति : आरोही/अवरोही क्रम, निकटतम 10/100/1000, संख्या नाम और स्थान मूल्य, 2. पूर्ण संख्याओं पर चार मौलिक संक्रियाएँ, 3. गुणनखण्ड और गुणज तथा उनके गुण, 4. भिन्न एवं मूल संक्रियाएँ : समान हर वाले भिन्नों का जोड़ और घटाव, तथा गुणा, असमान हर वाले भिन्नात्मक संख्याओं का भाग शामिल नहीं है, 5. लम्बाई, द्रव्यमान, धारिता, समय, मुद्रा एवं इकाई रूपांतरण आदि का मापन, 6. संख्यात्मक व्यंजकों का सरलीकरण, 7. परिमाप और क्षेत्रफल—बहुभुज का परिमाप, वर्ग, आयत और आयत के रूप में त्रिभुज का क्षेत्रफल, 8. कोणों के प्रकार और उनके सरल अनुप्रयोग (दिशा एवं मानचित्रण सहित), 9. बार आरेख, तालिका और चित्रलेख से डेटा विश्लेषण.

टिप्पणी—अवधारणाओं और कौशल की समझ तथा उनके अनुप्रयोग की जाँच पर अधिक बल होगा. अपेक्षित प्रश्नों के उदाहरणों को समझने के लिए नवोदय विद्यालय की विवरणिका पुस्तिका का अध्ययन करें.

खण्ड-3 : भाषा परीक्षण

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थी की पठन-बोधन क्षमता का आकलन करना है. इसमें चार अनुच्छेद होंगे. प्रत्येक अनुच्छेद में 5 प्रश्न होंगे. अभ्यर्थी अनुच्छेद को ध्यान से पढ़कर उन प्रश्नों के उत्तर देगा.

अनुदेशों को पढ़ना और नमूने के प्रश्नों का अध्ययन

(क) अभ्यर्थियों को प्रश्नों को हल करने में प्रश्न-पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ और प्रत्येक प्रश्न-पत्र पर दिए गए अनुदेशों को ध्यान से पढ़ना चाहिए. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उत्तर पुस्तिका की भाषा वही है जो उसने चाही है. यदि परीक्षा पुस्तिका अभ्यर्थी द्वारा चाही गई भाषा में न हो तो उसे परीक्षा प्रारम्भ होने से पहले ही अभ्यर्थी बदल लें. यह अभ्यर्थी की जिम्मेदारी होगी कि वह आवेदन-पत्र में दिए गए भाषा विकल्प के अनुसार परीक्षा पुस्तिका प्राप्त करे. परीक्षा समाप्त होने के बाद इस सम्बन्ध में कोई भी अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा.

(ख) बिना किसी अन्तराल के पूरा समय दो घण्टे होगा. दिव्यांग विद्यार्थियों (भिन्न योग्य) को 40 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा.

(ग) चूँकि तीनों प्रश्न-पत्रों में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना आवश्यक है : मानसिक योग्यता एवं पर्यावरण अध्ययन में 14 अंक, अंकगणित में 7 और भाषा में 7 अंक. इसलिए अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वह किसी एक प्रश्न-पत्र पर निर्धारित समय से अधिक समय न लगाएं, यद्यपि वह पूरे समय को अपनी इच्छानुसार समायोजित करने में स्वतंत्र हैं.

(घ) हर 30 मिनट बाद एक घण्टी बजेगी.

(i) वैध प्रवेश-पत्र के बिना अभ्यर्थी को परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा.

(ii) अभ्यर्थी बैठक व्यवस्था के अनुसार निर्धारित कक्ष में 11.00 बजे पूर्वाह्न तक बैठ जाए. देर से आने वाले किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा.

(iii) परीक्षा शुरू होने के बाद निर्धारित समय से पहले किसी अभ्यर्थी को परीक्षा भवन से जाने की अनुमति नहीं मिलेगी.

चयन और प्रवेश हेतु शर्तें

(क) यह एक प्रतियोगी परीक्षा है. इसमें अभ्यर्थी को केवल तीनों परीक्षणों में अलग-अलग उत्तीर्ण ही नहीं होना है, बल्कि वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने के लिए उच्च अंक प्राप्त करने की भी आवश्यकता है.

(ख) चयन परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने पर कोई अभ्यर्थी विद्यालय में प्रवेश का हकदार नहीं हो पाएगा. वास्तविक प्रवेश के समय, प्रत्येक चुने हुए अभ्यर्थी को नवोदय विद्यालय समिति द्वारा निर्धारित मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे.

(ग) विवाद की स्थिति में नवोदय विद्यालय समिति का निर्णय अन्तिम तथा मान्य होगा. परीक्षा का परिणाम निम्नलिखित कार्यालयों में प्रदर्शित कर दिया जाएगा—

(i) सम्बन्धित जवाहर नवोदय विद्यालय में,

(ii) जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में,

(iii) जिलाधिकारी के कार्यालय में, और

(iv) क्षेत्र की नवोदय विद्यालय समिति के उप-आयुक्त के कार्यालय में.

(v) समिति की वेबसाइट www.navodaya.gov.in पर भी परिणाम प्राप्त कर सकते हैं.

अभ्यर्थी प्रवेश पोर्टल पर भी परीक्षा परिणाम देख सकते हैं. अनंतिम रूव से चयनित अभ्यर्थियों को सम्बन्धित जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य द्वारा स्पीड पोस्ट से सूचना दी जाएगी. NVS कोई प्रतीक्षा सूची जारी नहीं करेगा. अनिच्छा अथवा आवश्यक मूल प्रमाण-पत्र जमा न करने के कारण रिक्ति होने पर सम्बन्धित श्रेणी/कोटा का अगला अभ्यर्थी ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल से स्वतः प्रदर्शित होगा.

(घ) उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की कोई व्यवस्था नहीं है, क्योंकि परिणाम कम्प्यूटर द्वारा तैयार किया जाता है. इसलिए अंकों का दोबारा जोड़ नहीं लगाया जाएगा, क्योंकि परिणाम तैयार करते समय सभी स्तरों पर पूरी-पूरी सावधानी बरती जाती है.

संलग्नक-क

मानसिक योग्यता परीक्षा

प्रकार I : आकृति पूर्ण करना (बिना दिशा बदले) (Completion of Incomplete Pattern)

अनुदेश

1 से 3 तक के उदाहरणों में समस्या आकृति है; उसका एक भाग गायब है. नीचे की ओर A, B, C, D से अंकित उत्तर आकृतियों को देखिए. ऐसी उत्तर आकृति को ढूँढ़िए जो बिना दिशा बदले समस्या आकृति में इस प्रकार सही बैठे कि समस्या आकृति का पैटर्न उचित रूप से पूरा हो जाए. जिस उत्तर आकृति को आप सही समझते हैं उसकी आकृति अक्षर का पता कीजिए.

उदाहरण 1.

समस्या आकृति

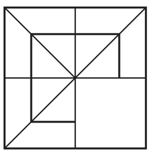

उत्तर आकृतियाँ

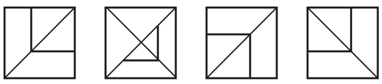

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति D समस्या आकृति की खाली जगह में उसका पैटर्न पूरा करती है. इसलिए आकृति D सही उत्तर है.

उदाहरण 2.

समस्या आकृति

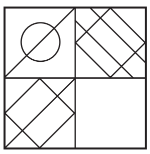

उत्तर आकृतियाँ

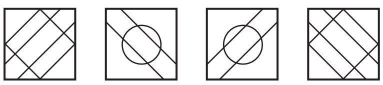

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति B समस्या आकृति की खाली जगह में उसका पैटर्न पूरा करती है. इसलिए आकृति B सही उत्तर है.

उदाहरण 3.

समस्या आकृति

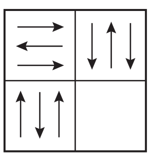

उत्तर आकृतियाँ

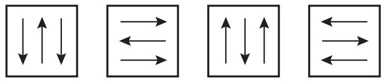

A B C D

यहाँ उत्तर आकृति D समस्या आकृति की खाली जगह में उसका पैटर्न पूरा करती है. इसलिए आकृति D सही उत्तर है.

प्रकार II : आकृति शृंखला पूर्ण करना (Figure Series Completion)

अनुदेश

उदाहरण 4 से 6 में तीन समस्या आकृतियाँ दी गई हैं और चौथी के लिए खाली जगह है. समस्या आकृतियाँ एक क्रम में हैं. ज्ञात करो कि उत्तर आकृतियों में से कौनसी आकृति उस क्रम को पूरा करती है.

उदाहरण 4.

समस्या आकृतियाँ

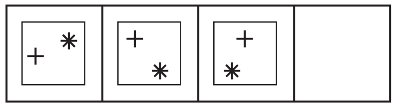

उत्तर आकृतियाँ

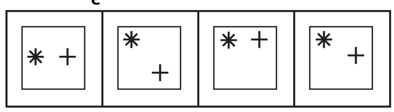

A B C D

इस उदाहरण में + और * चिन्ह एक वर्ग से दूसरे वर्ग तक वर्ग की रेखाओं के साथ विभिन्न रूप में घूम रहे हैं. + एक बार में आधी भुजा का फासला तय करता है, जबकि * पूरी भुजा का फासला तय करता है. इस नियम का पालन करते हुए आकृति C सही उत्तर है.

उदाहरण 5.

समस्या आकृतियाँ

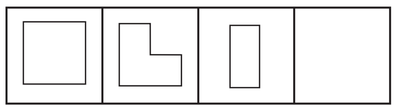

उत्तर आकृतियाँ

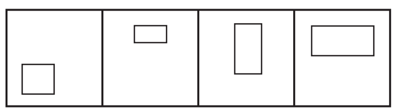

A B C D

इस उदाहरण में अक्षरांक A वाली उत्तर आकृति क्रम पूरा करती है. इसलिए आकृति A सही उत्तर है.

उदाहरण 6.

समस्या आकृतियाँ

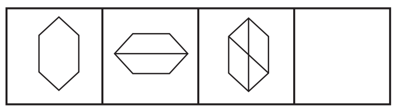

उत्तर आकृतियाँ

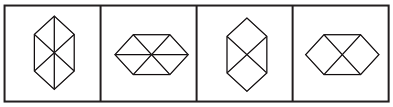

A B C D

इस उदाहरण में आकृति B क्रम को पूरा करती है. इसलिए आकृति B सही उत्तर है.

प्रकार III : ज्यामितीय चित्रपूरक (त्रिकोण, वर्ग, वृत्त) Geometrical Figure Completion (Triangle, Square, Circle)

अनुदेश

7 से 8 तक उदाहरणों में रेखा के बाईं ओर एक ज्यामितीय आकृति (त्रिभुज, वर्ग, वृत्त, चतुर्भुज आदि) का एक भाग बाईं तरफ प्रश्न आकृति के रूप में है तथा दाईं तरफ दी गई चार आकृतियों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई एक उसका दूसरा भाग है. दाईं तरफ दी गई आकृतियों में से वह आकृति ढूँढ़िए जो ज्यामितीय आकृति को पूर्ण बनाती हो.

उदाहरण 7.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

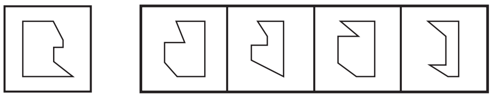

A B C D

उत्तर—(B)

व्याख्या—प्रश्न-आकृति में उत्तर-आकृति (B) जोड़ने पर पूर्ण वर्ग प्राप्त होता है.

पूर्ण आकृति— 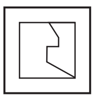

उदाहरण 8.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

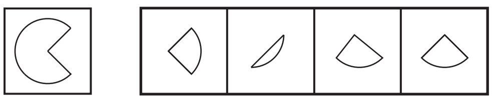

A B C D

उत्तर—(A)

व्याख्या—प्रश्न-आकृति में उत्तर-आकृति (A) जोड़ने पर पूर्ण वृत्त प्राप्त होता है.

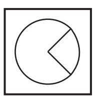

प्रकार IV : जल एवं दर्पण प्रतिबिम्ब (Water and Mirror Image)

अनुदेश

9 से 11 तक के उदाहरणों में एक प्रश्न आकृति दी गई है तथा चार उत्तर आकृतियाँ दी गई हैं. इन दी गई चार आकृतियों में उस आकृति को ढूँढ़ना पड़ता है जो प्रश्न आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब होता है. परीक्षार्थियों को यह जान लेना जरूरी है कि दर्पण प्रतिबिम्ब में बाएं की वस्तु दाएं तथा दाएं की वस्तु बाएं नजर आती है.

उदाहरण 9.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

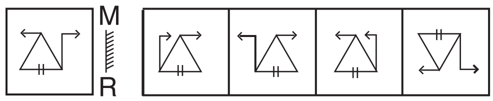

A B C D

उत्तर—(B)

व्याख्या—यह प्रश्न-आकृति तीन खण्डों में बँटी है. तीनों का सम्मिलित रूप में दर्पण-प्रतिबिम्ब विकल्प आकृति (B) होगा.

← का दर्पण प्रतिबिम्ब →, का दर्पण प्रतिबिम्ब तथा ⌈ दर्पण प्रतिबिम्ब ⌉ होगा.

उदाहरण 10.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

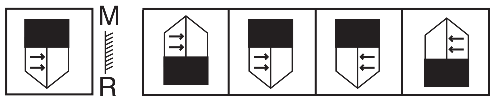

A B C D

उत्तर—(C)

व्याख्या—दो आकृतियों से मिलकर बना प्रश्न-आकृति का दर्पण-प्रतिबिम्ब उत्तर विकल्प (C) होगा.

का दर्पण-प्रतिबिम्ब तथा ⇉| का दर्पण प्रतिबिम्ब |⇇ होगा.

उदाहरण 11.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

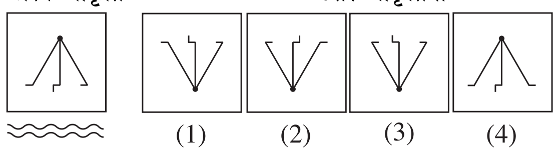

(1) (2) (3) (4)

व्याख्या—जल प्रतिबिम्ब के नियमानुसार किसी भी वस्तु का जल प्रतिबिम्ब (परावर्तन द्वारा) पानी में दिखाई देता है. जल प्रतिबिम्ब में ऊपर का भाग नीचे और नीचे का भाग ऊपर दिखाई देता है. इस प्रकार प्रश्नाकृति का उत्तर (1) होगा

प्रकार V : छिपी हुई आकृति ज्ञात करना (Spotting out the Embeded Figure)

अनुदेश

उदाहरण 12 से 14 में रेखा के बाईं ओर एक आकृति दी गई है तथा दाईं ओर विकल्प के रूप में चार आकृतियाँ दी गई हैं. दी गई दाईं ओर की आकृतियों में से उस आकृति को पहिचानिए जो किसी भी तरह से छिपी रहती है.

उदाहरण 12.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

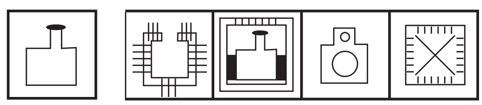

(A) (B) (C) (D)

उत्तर—(B)

व्याख्या–उत्तर आकृति के चारों विकल्पों को देखने से यह पता चलता है कि उत्तर विकल्प (B) में प्रश्न आकृति छिपी हुई है. अतः अक्षरांक (B) उत्तर होगा.

उदाहरण 13.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

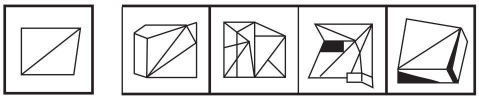

(A) (B) (C) (D)

उत्तर—(D)

व्याख्या–यहाँ दो प्रकार की आकृतियाँ दी गई हैं. एक प्रश्न आकृति है तथा दूसरी उत्तर आकृति. यहाँ प्रश्न आकृति जिसे मूल आकृति कहते हैं, को उत्तर आकृतियों के विकल्पों से खोजना है कि किसमें यह आकृति छिपी हुई है. यहाँ प्रश्न-आकृति में दो त्रिभुज एक साथ जुड़े हैं और इस तरह की आकृति विकल्प (D) में निहित है. जो हमारा उत्तर होगा.

उदाहरण 14.

प्रश्न आकृति **उत्तर आकृतियाँ**

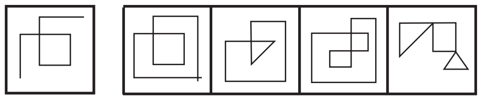

(A) (B) (C) (D)

उत्तर—(A)

व्याख्या–यहाँ प्रश्न आकृति या मूल आकृति उत्तर विकल्प (A) में छिपी हुई है, क्योंकि

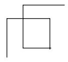 तथा मिलकर उत्तर विकल्प (A) 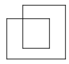 बना

I II

है, जिसमें I मूल आकृति है.

पर्यावरण अध्ययन

इस भाग में 20 प्रश्न होंगे : 15 बहुविकल्पीय प्रश्न तथा एक अनुच्छेद पर आधारित 5 प्रश्न. EVS का पाठ्यक्रम निम्न है. EVS में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा की मूल अवधारणाओं का अंतर्विषयी समावेश है. इसका उद्देश्य अभ्यर्थी की अपने परिवेश के प्रति बुनियादी जागरूकता का आकलन करना है.

नमूना प्रश्न

1. जल-चक्र में सूर्य द्वारा नदियों और महासागरों के पानी को गर्म कर जलवाष्प बनाने की प्रक्रिया क्या कहलाती है ?
   (A) संघनन (B) वर्षण
   (C) वाष्पीकरण (D) अंतःस्रवण
   उत्तर : (C)
2. पुलिस किस पशु का उपयोग उसकी तीव्र सूँघने की शक्ति के कारण करती है ?
   (A) बिल्ली (B) कुत्ता
   (C) घोड़ा (D) खरगोश
   उत्तर : (B)
3. कच्चे आम को पूरे वर्ष खाने के लिए घर में कैसे सुरक्षित रखते हैं ?
   (A) उबालकर (B) अचार बनाकर
   (C) पानी में रखकर (D) कागज में लपेटकर
   उत्तर : (B)
4. 'रंगों का त्योहार' किसे कहा जाता है ?
   (A) दीपावली (B) ईद
   (C) होली (D) पोंगल
   उत्तर : (C)

अनुच्छेद : घड़सीसर की कहानी

बहुत समय पहले पानी अत्यंत मूल्यवान था. जैसलमेर के राजा घड़सी ने घड़सीसर नामक विशाल झील बनवाई. 'सर' का अर्थ झील है. उन्होंने इसे लगभग 650 वर्ष पहले बनवाया ताकि लोगों को हमेशा पानी मिलता रहे. यह झील आठ अन्य झीलों से जुड़ी थी.

वर्षा होने पर पहली झील भरती, अतिरिक्त पानी दूसरी झील में जाता और फिर तीसरी झील में, इस प्रकार क्रम चलता था. कुल नौ झीलें वर्षा जल से भरती थीं, इसलिए लोगों को पूरे वर्ष पानी मिलता था. यात्रियों को निःशुल्क पानी देने के लिए सीढ़ियों वाले विशेष कुएँ 'बावड़ियाँ' भी बनाए गए.

अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न

1. 'सर' शब्द का अर्थ क्या है ?
   (A) नदी (B) झील
   (C) कुआँ (D) समुद्र
   उत्तर : (B)
2. घड़सीसर झील किसने बनवाई ?
   (A) राजा अकबर (B) राजा घड़सी
   (C) राजा अशोक (D) स्थानीय किसान
   उत्तर : (B)
3. कुल कितनी झीलें आपस में जुड़ी थीं ?
   (A) पाँच (B) सात
   (C) नौ (D) दस
   उत्तर : (C)
4. पहली झील वर्षा जल से भरने के बाद क्या होता है ?
   (A) पानी नदी में जाता है
   (B) पानी दूसरी झील में जाता है
   (C) पानी जल्दी सूखता है
   (D) पानी सड़क पर फैलता है
   उत्तर : (B)
5. सीढ़ियों वाले विशेष कुओं को क्या कहा जाता है ?
   (A) बावड़ियाँ (B) तालाब
   (C) बाँध (D) टंकियाँ
   उत्तर : (A)

संलग्नक-ख
अंकगणित

उदाहरण 1. (समझ की परीक्षा)

1000 का अभाज्य गुणनखण्ड क्या है ?

(A) $10 \times 10 \times 10$

(B) $2 \times 5 \times 5 \times 10$

(C) $2 \times 2 \times 2 \times 5 \times 5$

(D) $2 \times 2 \times 2 \times 5 \times 5 \times 5$

व्याख्या–किसी भी संख्या के गुणनखण्ड को अभाज्य गुणनखण्ड कहते हैं. यदि (1) सभी गुणनखण्डों का गुणन (प्रत्येक गुणनखण्डों को उतनी बार गुणा करना है जितनी बार वह आया है) दी गयी संख्या के बराबर हो तथा (2) प्रत्येक गुणनखण्ड अभाज्य संख्या हो.

अक्षरांक (D)

इस उदाहरण में केवल अक्षरांक D की संख्या उपर्युक्त दोनों शर्तों को पूरा करती है.

उदाहरण 2. (समझ की परीक्षा)

पहली चार विषम संख्याओं का औसत क्या है ?

(A) 2·5 (B) 4

(C) 5 (D) 16

व्याख्या–पहली चार विषम संख्याएं हैं 1, 3, 5 तथा 7 इसलिए उनका औसत हुआ (1 + 3 + 5 + 7)/4=4 अर्थात् **अक्षरांक** (B) सही उत्तर है.

संलग्नक–ग
भाषा परीक्षा

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों की पठन-बोध क्षमता का आकलन करना है. परीक्षा में चार अनुच्छेद होंगे और प्रत्येक के बाद 5 प्रश्न होंगे. अभ्यर्थी प्रत्येक अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें.

नीचे एक नमूना अनुच्छेद और इस पर आधारित प्रश्न दिए गए हैं.

अनुच्छेद

वन हमारे लिए अनेक प्रकार से उपयोगी है. वे घर बनाने और फर्नीचर तैयार करने के लिए इमारती लकड़ी देते हैं. ईंधन और कागज बनाने के लिए भी लकड़ी मिलती है. वन पक्षियों, जंगली पशुओं और कीटों को आश्रय देते हैं तथा वर्षा लाने में सहायक हैं. पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए वनों का अस्तित्व अत्यंत महत्वपूर्ण है. यह निर्विवाद है कि हमें पारिस्थितिकी तंत्र की देखभाल करनी चाहिए. मानव के निरंतर अस्तित्व के लिए पर्यावरण और उसके संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है.

1. पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए ········ का अस्तित्व आवश्यक है.

(A) वन (B) मनुष्य

(C) पशु (D) संसाधन

सही उत्तर विकल्प (A) है.

2. 'संरक्षण' का विलोम है ········ .

(A) संरक्षण (B) आश्रय

(C) निर्माण (D) विनाश

सही उत्तर विकल्प (D) है.

3. निम्नलिखित में से कौन 'विवेकपूर्ण' का समानार्थी नहीं है ?

(A) समझदार (B) बुद्धिमान

(C) हास्यपूर्ण (D) न्यायसंगत

सही उत्तर विकल्प (C) है.

4. बढ़ई वनों पर निर्भर हैं क्योंकि वन ········ देते हैं.

(A) ईंधन की लकड़ी

(B) कागज बनाने की लकड़ी

(C) फर्नीचर बनाने की इमारती लकड़ी

(D) पशुओं के घर

सही उत्तर विकल्प (C) है.

5. जंगली पशु बंधक हो जाएंगे यदि—

(A) कागज मिलें नष्ट हों

(B) घर बनाए जाएं

(C) वन नष्ट हों

(D) पारिस्थितिकी तंत्र ले लिया जाए

सही उत्तर विकल्प (C) है.